Rostocker Dokumentenserver
Dieses Werk wurde Ihnen durch die Universitätsbibliothek Rostock zum Download bereitgestellt.
Für Fragen und Hinweise wenden Sie sich bitte an: digibib.ub@uni-rostock.de

Johann Wilhelm Sittig

# Die Gleichheit der Gemüther, Als den Grund der Hempel- und Sittigischen Vermählung, Welche den 22. Octobr. Anno 1727. in Dörrenberg vergnügt vollzogen wurde, Wolte in einigen gebundenen Zeilen betrachten der Jungfer Braut ergebenster Bruder

Leipzig: druckts Johann Gottlieb Bauch, [1727]

**http://purl.uni-rostock.de/rosdok/ppn1760412066**

Druck Freier Zugang PUBLIC DOMAIN

Landesbibliothek
Mecklenburg-Vorpommern
Günther Uecker
http://purl.uni-rostock.de
/rosdok/ppn1760412066/phys_0001
DFG

GROSSH. REGIERUNGS-BIBLIOTHEK

.Obv5
1100 ~4°

Landesbibliothek Mecklenburg-Vorpommern Günther Uecker
http://purl.uni-rostock.de/rosdok/ppn1760412066/phys_0002
DFG

Landesbibliothek
Mecklenburg-Vorpommern
Günther Uecker
http://purl.uni-rostock.de
/rosdok/ppn1760412066/phys_0003
DFG

Landesbibliothek
Mecklenburg-Vorpommern
Günther Uecker
http://purl.uni-rostock.de
/rosdok/ppn1760412066/phys_0004
DFG

# Alphabetischer Index

## der Gefeierten.

| | | | | | Nº. |
|---|---|---|---|---|---|
| Aepinus | Franz Albert | Geburtstag | Rostock | 1724. | 17. |
| Avenarius | Johann Christian | Doctor philos. | Leipzig | 1708. | 82. 83. 85. 86. 89. 92. 121. 122. 124. 125. 130. 133. |
| Baier | Johann David | Adjunct der phil. Fac. | Jena | 1709. | 115. |
| Beck | Caspar Achatius | Lic. jur. | Jena | 1709. | 123. |
| " | " | Dr. jur. | Jena | 1709. | 93. |
| (Bellansky | Emerich Leopold Mar.) | Lobgedicht | Durlach | a 1730. | 41. |
| Berendhusen | Johann Dietrich & Kuexte | Marie Catherina | Hamburg | 1727 | 295. |
| Berg & | Köckert | Hochzeit | Wismar | 1727 | 286 |
| Bergner & | Koltmann | " | Lüneburg | 1715 | 249 |
| Biele | Georg Heinrich & Dohmsen | Margarethe Magdalene | Lüneburg | 1705. | 185–193. |
| Blochwitz & | Völkhaf | Hochzeit | Nürnberg | 1728. | 57. |
| Boye (Boje) | Johann Jacob & Koltemann | Anna Maria | Lüneburg | 1703. | 41. 163–172. |
| Böttticher | Julius Andreas | Rector Academiae | Helmstädt | 1707. | 110. |
| Böttiger | Abraham Gottlob | Dr. philos. | Leipzig | 1707. | 77. 78. (–94.) |
| Brinckm | Johann Jacob | Rector | Lüneburg | 1724. | 246. |
| " | " & | Kraut Anna Margaretha | Helmstädt | 1731. | 42. 294. |
| Brückner | Wilhelm Hieron. | Geburtstag | Jena | 1709. | 103. |
| Buddeus | Johann Franz | Prorector Academiae | Jena | 1708. | 106 |
| Burgmann | Johann Christian | Dr. theol. | Rostock | 1726. | 280. |
| Burgmann | Peter Christoph | Dr. med. | Rostock | 1726 | 20 |
| *Carmon | Jacob | Rector Academiae | Rostock | 1728. | 18. 19. 43. 59. 60. |

Landesbibliothek Mecklenburg-Vorpommern Günther Uecker
http://purl.uni-rostock.de/rosdok/ppn1760412066/phys_0005
DFG

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| Carpzov | Johann Gottlob | Superintendent | Lübeck | 1730 | 4–11. |
| Christiani | Elisabeth Dorothea | Beerdigung | Kiel | 1727. | 291. |
| Coordes | Johann & Rathgen | Eleonora Magdalena | Lüneburg | 1727. | 243. 244. |
| Crull | Christian | Pastor | Rostock | 1728 | 22. 27. |
| Dannenberg | Johann Hinrich & | Anna Dorothea Kohrs | Lüneburg | 1726. | 270. |
| Danz | Johann Andreas | Dr. theol. | Jena | 1710. | 127. 132. 139. |
| Dassel | Georg David von & | Döring Margaretha Dorothea | Lüneburg | 1707. | 218 – 220. |
| *Degner | Nicolaus und *Brandt | Abel Isabeth, verw. Schroeder | Cavelstorf | 1726. | 274. 283. |
| Detharding | Georg Wilhelm | Dr. jur. | Rostock | 1727. | 62. 64. |
| Diestler | Anna Isabe, gb. Hinrichsen | Geburtstag | o. O. | 1727. | 231. |
| Dornkrell | Heinrich Georg & | Johansen Elisabeth Margaretha | Lüneburg | 1705. | 194 – 200. |
| Dorothea | Luise Herzogin zu Schleswig-Holstein | Namensfest | (Glückstadt) | 1715. | 67. |
| *Dürfeld | Johann Jacob & | Lüdersen Magdalena Gustava | Rostock | 1728. | 236. |
| Eckardt | Michael & | Röberin Anna Helena | Weissenfels | 1699. | 201–204. |
| Ellendorff | Joh. Christophorus | Dr. med. | Helmstädt | 1731. | 48. |
| Evers | Joachim Dietrich & | Fabrice Catharina Dorothea | Hamburg | 1723. | 311. |
| *Eyllers | Christoph. Heinrich | Magister | Rostock | 1728 | 272. |
| Fabricius | Andreas Samuel | Magister | Wittenberg | 1711. | 152 |
| " | Johann Christian | Dr. med. | " | 1717 | 160. 161. |
| Fanter & | von Gehrn | Hochzeit | Rostock | 17.. | 287. |
| Feustking | Joh. Heinrich | Oberhofprediger (Gotha, | Wittenberg | 1712. | 149. |
| Fidler & | Crüger | Hochzeit | Bützow | 1728. | 275. |
| Finx | Friedrich Anton & | Röse Susanne Magdalena | Jena | 1709. | 252. |
| Flor | Johann Georg & | Catharina Gertrud Soltau | Lüneburg | 1705. | 209–212. |
| Freudenreich | Abraham | Bürgermeister regus | Jena | 1707 | 99. |
| | | Geburtstag | Jena | 1708 | 98. |
| | | Rathsherr | Jena | 1709 | 100. |

Landesbibliothek Mecklenburg-Vorpommern Günther Uecker
http://purl.uni-rostock.de/rosdok/ppn1760412066/phys_0006
DFG

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| Freygang Johann Gottlob | Dr. philos. | Leipzig | 1707. | 78(=94). |
| Friedrich I, König von Preussen & Sophie Luise von Mecklenburg. | | Berlin | 1708. | 36. 162. |
| Friedrich I, König von Schweden u. Peter Czar von Russland. | | Friede v. Nystedt 1721 | 1722. Greifswald | 28. |
| Friedrich Ludwig Prinz von Oranien | Geburt | (Jena) | 1707. | 126. |
| Georg II, König von Gross-Britannien | Besuch | Celle | 1729 | 21. 52. |
| " " " | Truppenrevue | Hannover | 1729 | 29. |
| " " " | – | – | ca 1729. | 30. |
| " " " | Besuch | Lüneburg | 1718. | 32. 58. 65. |
| Gerdes Frider. | Magister | Rostock | 1728. | 272. |
| (Gläser Thomas) | Bittschrift an ? | ? | ? | 306 |
| Gödtgen & Frau | Hochzeit | Lüneburg | 1697 | 205. |
| Götze Georg Heinrich | Beerdigung | Wittenberg | 1728. | 12. |
| Günther Johann Caspar | D. theol. | Jena | 1726. | 14. |
| Hansen & Craul | Hochzeit | Glückstadt | 1727. | 242. 245. |
| Harms Hans Hinrich & Harmsen Rahel Sophie | | Lüneburg | 1723. | 323. |
| Hasenmüller Veit Heinrich | D. philos. | Jena | 1707. | 75. 117. 128. |
| Haukohl & Schwasmann | Hochzeit | Bützow | 1727. | 229. 276. |
| Helbergen Alle. | Abendmusik | o. O. | o. J. | 150. |
| Helmich Jochim Dieterich & Friesen) | Catharina Maria | Rostock | 1724. | 281. |
| Hempel & Sittig | Hochzeit | Dörrenberg | 1727 | 4. |
| Hinsch Nicolas & Faber Anna | " | Hamburg | 1724. | 273. |
| Höfer Adam Christopher | Magister philos. | Greifswald | 1726 | 230. 285. |
| Hülsemann Martin Georg & Wedemann Rahel Ursula | | Lüneburg | 1723 | 225. 226. 227. |
| Jauch Christian, der Aeltere & Dorothea geb. Hoier, verw. Benckendorff. | | Lüneburg | 1703. | 214. |
| ——— Johann Christophorus | Superintendent | " | 1714 | 69. 70. 95. |
| ——— Ludolf Friedrich | Prediger | " | 1730. | 45. |

Landesbibliothek Mecklenburg-Vorpommern Günther Uecker
http://purl.uni-rostock.de/rosdok/ppn1760412066/phys_0007
DFG

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Toch Johann Georg & Freudenreich | Charlotte Wilhelmine | Jena | 1706 | 73. 259. |
| ——— | Dr. theol. | Jena | 1709 | 88. 107. 108. 116. 119. 120. 131. |
| ——— | Superintendent | Dortmund | 1709 | 101. 102. 104 (= 118). 109. |
| Johann Georg Herzog zu Sachsen | Geburtstag | Weissenfels | 1709 (Jena) | 261. |
| Jubilaeum der Universität Leipzig | | Leipzig | 1709 | 90. |
| Jubilaeum der Reformation | | Wittenberg | 1717 | 146. 147. |
| Jubilaeum der Augsburgischen Confession | | Kiel | 1730 | 39. 40. 46. |
| + Karl Leopold, Herzog zu Mecklenburg | Geburtstag | Univ. Rostock | 1726. | 16. 25. |
| Kettner Ernst Friedrich | Doctor | Jena | 1709 | 135. |
| Kirchhoff Albert Christian | Praepositus | Itzehoe | 1715 | 66 |
| Klug Johann Georg | Reise von Wittenberg nach | Helmstädt | o. J. | 151. |
| Koltemann & Biel | Hochzeit | Lüneburg | 1725 | 1. 2. 3. |
| ——— Friedrich Georg | zum Gedächtnis | Lüneburg | 1711 | 173. |
| ——— Hieronymus & | Meister Maria | s. l. | 1672 | 174. |
| ——— & | Burkhisch Magdalena | Lüneburg | 1692 | 96. 183. 184. |
| ——— Johann & | Winckeler Dorothea Elisabeth | Lüneburg | 1689 | 175. |
| Köppen Nicolaus | Rector Academiae | Greifswald | 1723 | 232. |
| Kraut Friedrich Anton | Conrector | Lüneburg | 1729. | 35. 37. |
| ——— Ludolph Daniel & | Raphel Anna Maria | 〃 | 1728 | 297.-302. |
| ——— Paulus | Rector | 〃 | 1702 | 239 |
| Krüger Theodor | Heimkehr v. d. Univ. | Wittenberg | 1718 | 148. |
| Krüger & | Ottensen Hochzeit | Danneberg | 1731 | 292. |
| Kunad Andreas | Superintendent: Annaberg | Leipzig | 1708 | 140. |
| Laurentius Christian Gotthold | Dr. philos. | Leipzig | 1712 | 105 |
| Leipzig (Karl) | Neujahr | Leipzig | 1715 | 137. |

Landesbibliothek Mecklenburg-Vorpommern Günther Uecker
http://purl.uni-rostock.de/rosdok/ppn1760412066/phys_0008
DFG

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Lemcker Heinrich Christian | Conrector | Lüneburg | 1729 | 31. |
| ——— & Boye Anna Elisabeth | | " | 1730 | 53–56. |
| Lent & Thiele | Hochzeit | Wittenberg | 1701 | 215. |
| Liebius Christian Sigismund & Nicander Erdmutha Agnes | | Eisenach | 1723 | 97. |
| Lüneburg (Stadt) | Serenade | Lüneburg | 1722 | 158. |
| Lyser Polycarp | Professor u. Helmstädt | Wittenberg | 1718 | 156. 157. |
| *Märck Nicolaus Jacob & +Westphalen Regina Sophia | | Schwerin | 1724 | 261–269. |
| Margraff Michael Lebegott | Magister | Leipzig | 1708 | 130 |
| Mehner David | Magister | Leipzig | 1708 | 130. |
| Martini Johann Christian | Hausbau | " | 1728 | 38. |
| Mayer Johann Abraham & Baltzer Barbara Cather. | | Greifswald | 1711. | 34. |
| Meier Hinrich & Meinin Maria Catherina | | Hamburg | 1721. | 247. |
| (Meyer Christian) | Glaubensbekenntnis | Lüneburg | Hamb. 1718. | 141. |
| Milisch Christian Friedrich | Dr. philos. | Leipzig | 1707 | 77. |
| Moeller Jacob Valentin | Dr. med. | Rostock | 1726 | 20. |
| ——— & Michelsen Anna Margaretha | | " | 1728 | 278. 279. |
| *Moeller Johann Peter | Dr. jur. | " | 1727 | 284. 23. 24. 26. |
| ——— & *Westphalen Anna Christana | | " | 1728 | 61. 63. 235. 277. |
| Movers Peter Johann & Edingin Sara Magdalena | | Hamburg | 1723 | 314. 315. 316–319. |
| Müller Johann Heinrich & Hennings Magdalena | | Lüneburg | 1705. | 216. 217. |
| Nack & Främb | Hochzeit | " | 1722 | 305. 310. |
| Neumeister Erdmann | Pastor | Hamburg | 1715 | 68. 138. |
| ——— & Kluge Ernestina Mariamne | | s. l. | 1731. | 296. |
| Niemann Christian Albert & Koltemann Maria Elisabeth | | Glückstadt | 1712 | 254–258. 324. 325. 326. |
| Nottelmann Bernh. Arnold. | Neujahr | Lüneburg | 1705 | 290. |
| Olde Johann & Richel Margaretha geb. Marburgin verw. Lenten | | (Rostock) | 1702. | 213. |
| Oschatz & Rehse | Hochzeit | Lüneburg | 1722 | 223–240. 224–241. |

Landesbibliothek Mecklenburg-Vorpommern Günther Uecker
http://purl.uni-rostock.de/rosdok/ppn1760412066/phys_0009
DFG

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| Platin Peter | Dr. med. | Rostock | 1726 | 20 |
| *Plessen Joh. Christoph. von & *Plessen Eleonora Dorothea von | | Cambs | 1727 | 228. 271. |
| Pipping & Seligmann | Hochzeit | Leipzig | 1700 | 178. 179. |
| Raphel Georg & *Neubaurin Elisabeth Sophia | | Rostock | 1703 | 180. 181. |
| ——— | Superintendent | Lüneburg | 1715 | 143. 144. |
| Reuter & Schwabe | Hochzeit | Rostock | 1727 | 282. |
| Rhodomann Christoph. Herm. | Heimkehr v.d. Univ. | Wittenberg | 1721 | 136. |
| Rothe Gottlob Wohlgemuth & Christiana geb. Försterin verw. Hösing | | Goerlitz | 1721. | 250. |
| Rus J. Reinhard | Adjunct der philos. Fac. | Jena | 1708 | 129. |
| Saull (Saulius) Georg Barthold & Römer Anna Catherina | | Lüneburg | 1721 | 49=145. 303. |
| *Schaeffer Johann Ludolph | Dr. med. | Rostock | 1726 | 20. |
| Scharbau Heinrich | Dr. philos. | Jena | 1710 | 87. |
| Schmid Christian Friedrich | Neujahr | Lüneburg | 1730 | 44. |
| Schmidt Jacob & Hagedorn Margaretha Elisabeth | | Lübeck | 1726 | 238. |
| Schrader Christoph | Magister | Leipzig | 1708 | 130. |
| Schröder & Scharpenberg | Hochzeit | Hamburg | 1721 | 304. |
| Schröder Hinrich & Rhode Catherina Christina | | Rostock | 1727 | 233. 234. 237. |
| Schultze Christoph. Gottlob | Dr. philos. | Leipzig | 1707 | 74. 77. 78(=94). 79. 80. 81. |
| Schütze Otto Friedrich & Koltemann Sophia Catherina | | Lüneburg | 1721. | 13. 289=313. 312. |
| Seelen Johann Heinrich von | Serenata | Lübeck | 1723 | 15. |
| Seyffart Achatius | Dr. philos. | Jena | 1710 | 84. iii. 134. |
| Sivers Heinrich Jacob | Magister | Rostock | 1728 | 272. |
| (Stauffer Johann Georg, Irrgarten Päpstlicher Lehre) | | o.O. | o.J. | 5. |
| Steigerthal Christian Friedrich & Erckhusen Lucia Elisabeth | | Ebstorf (Zelle) | 1706 | 251. |
| Steiglitz Christoph Ludwig | Dr. philos. | Leipzig | 1707 | 77. |

Landesbibliothek Mecklenburg-Vorpommern Günther Uecker
http://purl.uni-rostock.de/rosdok/ppn1760412066/phys_0010
DFG

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| Stilcke Johann | Magister. | Wittenberg | 1712 | 153 | |
| Sultzberger Gottfried Christian & Heimbt Rosina Elisabeth | | Leipzig | 1701. | 320-22. | |
| Taddel Christian Ludwig | Doctor | Rostock | 1729 | 47. | |
| Tarnow & Krauel | Hochzeit | " | 1726 | 288. | |
| Taube Christoph: Ernst & Kaufmannin Christine Juliane | | Lüneburg | 1707 | 221.222. | |
| Tielcke Joh. Friedrich & Kortholtin Maria Christina | | Kiel | 1720 | 253. | |
| *Twitmeyer Johann Heinrich | Magister | Rostock | 1728. | 272. | |
| Tzarstedt Statius Ludolph von | Bürgermeister | Lüneburg | 1723. | 142 | |
| Unruh & Bussmann | Hochzeit | Lüneburg | 1706. | 182. | |
| Volkmar Jacob | Beerdigung | Königsberg | 1717. | 159. | |
| Wagner Rudolf Christian | Rector Academiae | Helmstädt | 1731. | 50. | |
| Wahl Matthias Jacob | D. theol. | Jena | 1709. | 112-14. | |
| Walther Bartolomäus & Fullmannin (Vollmann) Isabella Dorothea | | Lüneburg | 1705. | 176.177. | |
| Werlhof Mme u Alle. | Abendmusik | o.O. | o.O. | 150 | |
| Wetken Johann Jacob & Willers Anna Dina | | Hamburg | 1723. | 293. | |
| Wichmann & Schieferstein | Hochzeit | Bramstede | 1718 | 248. | |
| Widemann Georg Wolf | D. philos. | Leipzig | 1708. | 76.91.92. | |
| Wiesecken Christoph & Breuelin Sophie Gottliebe | | Brandenburg | 1724 | 122.130. 307. | |
| Willemer Christian Henrich | Heimkehr v.d. Univ. | Wittenberg | 1715. | 154. 155. | |
| Zimmermann Georg Joachim & Biel Anna Elisabeth | | Lüneburg | 1701. | 206-8. | |
| Zimmermann & Nohse | Hochzeit | Rathenow | 1723. | 308-9. | |
| Zimmermann Nicolaus Michael & Margaretha Elisabeth geb. Lohmannin, vorv. Radeleffen | | Meinersen | 1717. | 72. | |
| Zittau | Vorbereitung zur Weihnachtszeit | Zittau | 1703. | 33. | |

Landesbibliothek Mecklenburg-Vorpommern Günther Uecker
http://purl.uni-rostock.de/rosdok/ppn1760412066/phys_0011
DFG

Landesbibliothek
Mecklenburg-Vorpommern
Günther Uecker
http://purl.uni-rostock.de
/rosdok/ppn1760412066/phys_0012
DFG

# Die Gleichheit der Gemüther,
## Als den Grund
## der
# Gempel-
## und
# Sittigischen
## Vermählung,

Welche den 22. Octobr. Anno 1727.

## in Dörrenberg

vergnügt vollzogen wurde,

Wolte

## in einigen gebundenen Zeilen

betrachten

## der Jungfer Braut

ergebenster Bruder,

**Johann Wilhelm Sittig.** L. A. St.

LEIPZIG, druckts Johann Gottlieb Bauch.

Landesbibliothek Mecklenburg-Vorpommern Günther Uecker
http://purl.uni-rostock.de/rosdok/ppn1760412066/phys_0013
DFG

Sage mir, geliebte Schwester, was bewegt
dich zu der Wahl,
Da Du eine Priesters-Tochter einen Priester
zum Gemahl,
Einen Priester, der so fromm, als gelehrt in seinen
Wesen,
Durch GOtt wohlgefäll'gen Rath, dir bedächtig auserlesen?
Hast Du Dich denn an der Liebe, die der armen Jungferschafft
So viel Eintrag pflegt zu machen, ietzo gantz und gar vergafft?
Himmel! was soll dieses seyn? Was soll dieses Ding bedeuten?
Läst du auch den Unbestand den gesetzten Sinn verleiten?
Aber da du unvermuthet so verliebet worden bist,
Sage mir, warum Dein Liebster eben nun ein Priester ist?
Bildest Du Dir dabey ein: gleiche Brüder, gleiche Kappen,
Gleicher Adel, gleich Geschlecht, gleiche Ahnen, gleiche Wappen,
Oder meinst du das Gesetze der Leviten bindt dich noch,
Welches unter Moses Knechtschafft, unter des Gesetzes Joch,
Die Verbindung Aarons mit des Jacobs andern Kindern,
Ruben, Juda und so fort recht mit Nachdruck pflegt zu hindern?
Hui! daß du durch jene Schule ohngefehr gelauffen bist,
Welche lehret: wer will freyen, freye doch nur übern Mist:
Oder wilst du, daß ich ietzt in der That und Wahrheit lerne,
Was das alte Sprichwort heist: gleich und gleich gesellt sich gerne?
Doch wenn dieses gelten solte, hättest Du noch keinen Mann,
Weil bey uns nicht eine Jungfer ihres gleichen nehmen kan.
Zwittern stünd es noch wohl frey. Aber in dergleichen Rollen
Schreibt man dich mit Unrecht ein, du möchsts auch nicht haben
wollen.
Nun was soll ich demnach dencken? welcher Meynung pflicht ich bey?
Die den übrigen an Gründen mercklich überlegen sey?

Helfft demnach, wer rathen kan, helfft mir um die Wette rathen,
Und wer riechet unter euch wohl zu allererst den Brathen?
Wie denn, wenn ich sagen wolte, daß des Standes Gleichheit dich
Zu dem schweren Ja bewogen? Gleich und gleich gesellet sich,
Tauben sieht man gar zu gern bey Schwadronen gleichen Schaaren
Sich mit Tauben ihrer Art in dem Flug und Halter paaren.
Denn es lehret die Erfahrung: Gleich und gleich gesellt sich wohl,
Cedern steigen bey den Cedern nach den hohen Sternen-Pol.
Und der heilge Lorbeer-Baum wird auch nur bey seines gleichen,
Nach dem eingepflantzten Trieb die erwünschte Krafft erreichen.
Doch das hält mir noch nicht Farbe, giebt mir auch nicht die Gewehr,
Uberleg ichs gleich mit Andacht, und bedenck es hin und her,
Daß des Standes Gleichheit dich, schlaues Hertz, bereden können,
Einen Priester Deinen Schatz, Deinen Bräutigam zu nennen.
Und was? wenn nur diese Gleichheit die vergnügten Ehen stifft:
Wenn der Seegen nur die Ehen, die von gleichen Stande, trifft,
Wird die Welt in kurtzer Zeit ihren Untergang erlangen,
Ja sie wäre schon vorlängst ohne Menschen untergangen.
Wie viel Ehe-Leute leben, die aus zween Ständen sind,
Und bey denen man Vergnügen doch in Uberflusse findt?
Pflegt nicht bey dem Mandel-Baum Wuchs und Frucht an den
Granaten
Aus beliebter Einigkeit unvergleichlich zu gerathen?
Woher aber kommt wohl dieses, was würckt solche Fruchtbarkeit?
Nicht die Gleichheit des Geschlechtes, noch des Standes, noch der
Zeit;
Sondern bloß die Harmonie von der angebohrnen Liebe,
Denn die gütige Natur pflantzt dergleichen Eintrachts-Triebe.
Keine Freundschafft wird bestehen, wenn den ersten Stein und Grad
Nicht die Gleichheit der Gemüther selbst hierzu geleget hat.

Wenn die Wage richtig steht hält die Gleichheit das Gewichte;
Wo nicht? wird so Müh als Zeit durch den Ausschlag bald zu nichte.
Drum so müssen die Gemüther einerley gesinnet seyn,
Soll die Heyrath wohlgerathen. Sonsten schlägt sie niemahls ein.
Ehr und Stand vermag hier nichts, noch viel wen'ger Geld und Güther,
Nichts, nichts schafft der **Ehen-Wohl**, als die Gleichheit der Gemüther.
Und was gilts, liebwerthe **Schwester**; sag es mir nur ohne Scheu:
Daß dieß leydiglich Dein Absehn bey der Wahl gewesen sey.
Doch was braucht es weiter viel Dich selbst darum zu befragen,
Da die Minen, Thaten, Gang, Stellung uns die Antwort sagen.
Dein erwehlter **Schatz**, **Dein Hempel**, ein getreuer GOttes-Knecht,
Lebt vor Gott und vor den Menschen sonder Absicht schlecht und recht,
Glaubens-volle Frömmigkeit ist der Gurt um seine Lenden,
Und sein mitgetheilt Talent weiß Er klüglich anzuwenden:
Stille, sittsam und zufrieden mit dem, was GOtt geben will,
Ist Er iederzeit gewesen: hält in allen Dingen still:
Amt und Pflicht vergnüget Ihn unverdrossen zu erfüllen,
Kein Verdruß noch Hindrung kan des Berufes Eiffer stillen:
Solt ich, **Schwester**, dich nun rühmen, daß du auch so tugendreich?
Nein! genung ists, wenn ich sage, daß Du Ihm in allen gleich.
Gleich an Liebe, gleich an Sinnen, und es kurtz nun zu beschreiben,
Was Er will, das wilst Du auch, was Er nicht will, läst du bleiben.
Nun so paaret Hände, Lippen, Mund und Hertze, Seel und Geist,
Daß Ihr gleichsam eine Seele in zwey Leibern seyd und heist.
Lebt vergnügt, lebt stets vergnügt: und die Gleichheit der Gemüther,
Zeige ihre Seegens-Krafft durch die reichen Ehe-Güther.

Landesbibliothek
Mecklenburg-Vorpommern
Günther Uecker
http://purl.uni-rostock.de
/rosdok/ppn1760412066/phys_0017
DFG

Landesbibliothek
Mecklenburg-Vorpommern
Günther Uecker
http://purl.uni-rostock.de
/rosdok/ppn1760412066/phys_0018
DFG

LBMV Schwerin
000 395 102
33

Landesbibliothek
Mecklenburg-Vorpommern
Günther Uecker
http://purl.uni-rostock.de
/rosdok/ppn1760412066/phys_0019
DFG

Landesbibliothek
Mecklenburg-Vorpommern
Günther Uecker

http://purl.uni-rostock.de
/rosdok/ppn1760412066/phys_0020

DFG

Wenn die Wage richtig steht hält die Gleichheit das Gewichte;
Wo nicht? wird so Müh als Zeit durch den Ausschlagbald zu nichte,
Drum so müssen die Gemüther einerley gesinnet seyn,
Soll die Heyrath wohlgerathen. Sonsten schlägt sie niemahls ein.
und Stand vermag hier nichts, noch viel wen'ger Geld und Güther,
ts, nichts schafft der **Ehen-Wohl**, als die Gleichheit der Gemüther.
was gilts, liebwerthe **Schwester**; sag es mir nur ohne Scheu:
dieß leydiglich Dein Absehn bey der Wahl gewesen sey.
was braucht es weiter viel Dich selbst darum zu befragen,
die Minen, Thaten, Gang, Stellung uns die Antwort sagen.
erwehlter **Schatz**, **Dein Hempel**, ein getreuer GOttes-Knecht,
vor Gott und vor den Menschen sonder Absicht schlecht und recht,
bens-volle Frömmigkeit ist der Gurt um seine Lenden,
ein mitgetheilt Talent weiß Er klüglich anzuwenden:
e, sittsam und zufrieden mit dem, was GOtt geben will,
r iederzeit gewesen: hält in allen Dingen still:
und Pflicht vergnüget Ihn unverdrossen zu erfüllen,
Verdruß noch Hindrung kan des Beruffes Eiffer stillen:
ich, **Schwester**, dich nun rühmen, daß du auch so tugendreich?
genung ists, wenn ich sage, daß Du Ihm in allen gleich.
an Liebe, gleich an Sinnen, und es kurtz nun zu beschreiben,
Er will, das wilst Du auch, was Er nicht will, läst du bleiben.
Nun so paaret Hände, Lippen, Mund und Hertze, Seel und Geist,
Daß Ihr gleichsam eine Seele in zwey Leibern seyd und heist.
Lebt vergnügt, lebt stets vergnügt: und die Gleichheit der Gemüther,
Zeige ihre Seegens-Krafft durch die reichen Ehe-Güther.

Landesbibliothek Mecklenburg-Vorpommern Günther Uecker
http://purl.uni-rostock.de/rosdok/ppn1760412066/phys_0021
DFG